उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में "शोध सलाहकार समूह" (Research Advisory Group) की बैठक संपन्न

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर में "शोध सलाहकार समूह" की बैठक का आयोजन दिनांक 21.10.2013 से 22.10.2013 तक किया गया। इस बैठक में मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र , छत्तीसगढ़ एवं उड़ीसा राज्यों के वरिष्ठ वन अधिकारियों, विभिन्न विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ, विभिन्न शोध संस्थानों के वरिष्ठ वैज्ञानिकगण, वन एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने वाले अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधि, उन्नतशील किसान भाई एवं अन्य हितग्राही उपस्थित थे।

समारोह का उद्घाटन भूतपूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक, म0प्र0, भूतपूर्व निदेशक, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर एवं भूतपूर्व निदेशक भारतीय प्रबन्धन वन संस्थान, भोपाल डॉ0 रामप्रसाद

ने सभागार में उपस्थित सभी उच्च वनाधिकारियों, विशेषज्ञों, विद्वानों एवं अन्य शोध सलाहकार समूह के सदस्यों की उपस्थिति में मां सरस्वती जी के सम्मुख द्वीप प्रज्वलित कर किया।

संस्थान के निदेशक डॉ0 यू0 प्रकाशम ने बैठक में भाग ले रहे सभी सदस्यों एवं अतिथियों का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने कहा कि मध्य भारत आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है एवं संस्थान की आदिवासी भाइयों एवं अन्य हितग्राहियों के सामूहिक विकास हेतु अनुसंधान कार्य करने की जिम्मेदारी बनती है। संस्थान विभिन्न अनुसंधान क्षेत्रों में नई-नई तकनीक विकसित कर यह कार्य बहुत ही अच्छे ढंग से कर रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित तकनीकें हितग्राहियों को प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। पिछले दो सालों में संस्थान में राजीव गांधी जल प्रबन्धन, भोपाल, अशासकीय संस्थाओं, वन कर्मियों, किसानों एवं आदिवासी भाइयों को विकसित तकनीकों पर महत्वपूर्ण प्रशिक्षण दिए हैं, जिससे कि उनको एवं उनसे जुड़े लोग को इसका सीधा फायदा मिले एवं वे इसे अपनी आजीविका का साधन बना सकें।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के प्रतिनिधी के तौर पर डॉ. विमल कोटियाल, सहायक महानिदेशक, (रिसर्च एवं प्लानिंग) द्वारा शोध सलाहकार समूह की बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा सक्रीय रूप से भाग लिया गया ।

इस दौरान समूह समन्वयक (अनुसंधान) एवं मुख्य वन संरक्षक श्री पी0 सुब्रमण्यम ने संस्थान में चल रहे अनुसंधान कार्यो के बारे में शोध सलाहकार ग्रुप के सदस्यो को विस्तार से अवगत कराया।

मुख्य अतिथि डॉ0 राम प्रसाद ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारी वन सम्पदा लगातार समाप्त होती जा रही है। वन विभाग को इसके संरक्षण के लिए अभूतपूर्व प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं वनाधिकारियों को मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमें वन संरक्षण के लिए जमीनी स्तर पर लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। समारोह के विशिष्ठ अतिथि भूतपूर्व

प्रधान मुख्य वन संरक्षक, म0प्र0 एवं भूतपूर्व निदेशक, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर डॉ0 पी0के0 शुक्ला ने संस्थान द्वारा किये जा रहे शोध कार्यो एवं विकसित तकनीकों को प्रशिक्षण के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने हेतु सराहना की।

विभिन्न प्रदेशों से पधारे उच्च वनाधिकारियों में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, म0प्र0, डॉ0 एम. सी. शर्मा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, म0प्र0, डॉ0 वाय0 सत्यम, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, महाराष्ट्र डॉ0 ए0के0 झा, मुख्य वन संरक्षक उड़ीसा, डॉ0 डी0 स्वाइन, मुख्य वन संरक्षक जबलपुर श्री जे.एस. चौहान, वन संरक्षक, जबलपुर श्री के.व्ही. दिवाकर, श्री एच0एस0 महंता एवं श्रीमती कमालिका महंता आदि उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त प्रसिद्ध वैज्ञानिकों में निदेशक, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर, (राजस्थान) डॉ0 टी0एस0 राठौर, डॉ0 विजेन्द्र नाथ, डॉ0 के.सी. जोशी, डॉ0 एस.के. बैनर्जी, डॉ0 एन.जी. तोटे, डॉ0 जमालुद्दीन, डॉ. एन.राय चौधरी एवं संस्थान के समस्त वैज्ञानिक एवं अधिकारीगण उपस्थित थे। अशासकीय संस्थाओं से डॉ0 यू0वी0 घाटे, दुर्ग, (छत्तीसगढ़) एवं वन आधारित उद्योग से श्री अरविंद अग्रवाल उपस्थित थे। बैठक का संचालन डॉ0 श्रीमती फातिमा शिरीन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 नितिन कुलकर्णी ने प्रस्तुत किया।

इस दो द्विवसीय शोध सलाहकार समूह की बैठक के दौरान अकाष्ठ वन उत्पाद, जैव प्रौद्योगिकी एवं पौधा रोपण, वन कीट, वन रोग, कृषि वानिकी, वन संवर्धन, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण एवं प्रबन्धन आदि वनों से सम्बन्धित विषयों पर 17 नई अनुसंधान परियोजनाओं पर चर्चा कर उचित परियोजनाओं को चुना गया जिनसे वन विभाग एवं हितग्राहियों को लाभ पहुंच सके। इसके साथ ही संस्थान में पहले से चल रहीं अनुसंधान परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। इन परियोजनाओं से वनों के संवहनीय प्रबन्धन में मदद मिलेगी एवं साथ ही साथ इन परियोजनाओं को ग्रामीण एवं आदिवासी भाइयों की आजीविका से भी जोड़ने का प्रयास किया जायेगा।